वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 200 | सोमवार 17 नवम्बर 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मातृभूमि के हित में योगदान देने के लिए राजस्थानी डायस्पोरा को साथ लाने की मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अनूठी पहल

राजस्थानी माटी की महक से खिंचे चले आएंगे प्रवासी

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार आगामी 10 दिसम्बर को जयपुर के जेईसीसी में पहले प्रवासी राजस्थानी दिवस का भव्य आयोजन करने जा रही है। यह कार्यक्रम देश और विश्वभर में बसे प्रवासी राजस्थानी समुदाय के लिए जड़ों से जुड़ने और अपनी मातृभूमि के लिए योगदान करने की दिशा में एक अनूठी पहल साबित होगा।

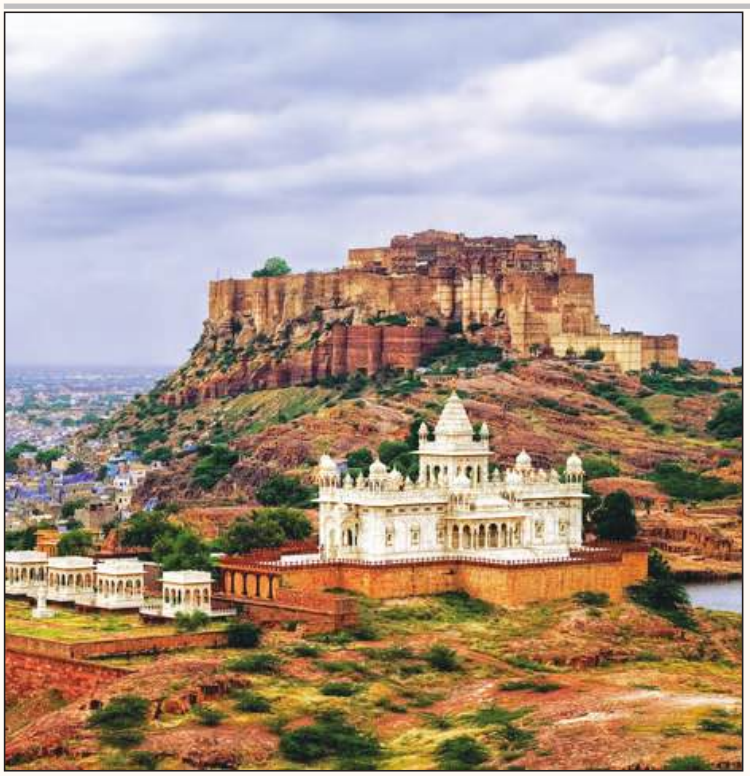

राजस्थान और वैश्विक प्रवासी समुदाय के रिश्तों को नया आयाम देगा प्रवासी राजस्थानी दिवस 2025

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार आगामी 10 दिसम्बर को जयपुर के जेईसीसी में पहले प्रवासी राजस्थानी दिवस का भव्य आयोजन करने जा रही है। यह कार्यक्रम देश और विश्वभर में बसे प्रवासी राजस्थानी समुदाय के लिए जड़ों से जुड़ने और अपनी मातृभूमि के लिए योगदान करने की दिशा में एक अनूठी पहल साबित होगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का मानना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के विजन से प्रेरित होकर राजस्थान अभूतपूर्व सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और इस परिवर्तन को गति देने में प्रवासी राजस्थानियों की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। इसी क्रम में राज्य के विकास में प्रवासी राजस्थानियों की भूमिका को और सशक्त करने, उनकी उपलब्धियों का सम्मान करने और उन्हें निवेश, नवाचार तथा सामाजिक योगदान के नए अवसरों से जोड़ने के लिए यह आयोजन किया जा रहा है। प्रवासी राजस्थानी दिवस के लिए पंजीकरण प्रारंभ होते ही देश-विदेश में बसे प्रवासी समुदाय में इस कार्यक्रम को लेकर बेहद उत्साह दिखाई दे रहा है और वे राजस्थान के विकास में अपनी भूमिका को लेकर सक्रिय रूप से आगे आ रहे हैं।

राजस्थान की समृद्ध विरासत और बदलते प्रदेश की दिखेगी झलक

प्रवासी राजस्थानी दिवस में राज्य की सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक धरोहर, लोक-कला और परंपराओं के साथ-साथ आधुनिक और तेजी से विकसित होते राजस्थान की झलक भी दिखाई देगी। आयोजन में राजस्थान की लोक विरासत पर आधारित विशेष रंगारंग सांस्कृतिक संध्या प्रस्तुत की जाएगी, जो प्रवासियों को अपनी जड़ों से भावनात्मक रूप से जोड़ने का माध्यम बनेगी। साथ ही इस अवसर पर सेक्टोरल सेशन्स के माध्यम से राज्य में ऊर्जा, पर्यटन, शिक्षा, उद्योग, स्वास्थ्य और जल संसाधन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में हो रहे महत्वपूर्ण कार्यों की जानकारी भी प्रदान की जाएगी, ताकि प्रवासी समुदाय प्रदेश की विकास यात्रा से परिचित हो सके। राज्य सरकार ने प्रवासी राजस्थानियों की

सेक्टोरल सत्रों में होगा नए अवसरों पर गहन विमर्श

विविध विषयों पर होने वाले सेक्टोरल सत्रों में विशेषज्ञ राजस्थान के बदलते औद्योगिक एवं निवेश परिवेश और जुड़ाव की संभावनाओं पर विचार रखेंगे। पर्यटन सत्र में विशेषज्ञ राजस्थान के परम्परागत हैरिटेज टूरिज्म के साथ-साथ एडवेंचर और वॉटर बेस्ड पर्यटन के नए स्वरूपों पर अपने विचार रखेंगे। शिक्षा सत्र में शिक्षा जगत के विशेषज्ञों के साथ वे प्रवासी राजस्थानी भी शामिल होंगे जिन्होंने इस क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। स्वास्थ्य सत्र में चिकित्सा, फार्मा और हेल्थ टेक्नोलॉजी से जुड़े विशेषज्ञ राज्य में उभरती संभावनाओं पर चर्चा करेंगे। जल संसाधन सत्र में नवीनतम जल संरचनाओं और पारंपरिक जल संरक्षण पद्धतियों पर विशेष जानकारी दी जाएगी। इन सत्रों का उद्देश्य प्रवासी समुदाय को प्रदेश में उपलब्ध अवसरों और संभावनाओं से अवगत कराना तथा उनके सुझाव शामिल करना है, जो कि राज्य के विकास की नीति-निर्धारण का आधार बनेंगे। विशेष एनआरआर ओपन हाउस सत्र इस कार्यक्रम का बड़ा आकर्षण रहेगा। राजस्थान फाउंडेशन के 26 चैप्टर्स से आए वे प्रवासी, जिन्हें प्रवासी राजस्थानी सम्मान मिल चुका है, वे भी इस सत्र में अपने विचार रखेंगे।

खास महत्तवपूर्ण बिन्दुओं से समझें

- कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान प्रवासी राजस्थानियों को अपने गांव, कस्बे और क्षेत्र में जल संरक्षण के लिए जोड़ती है। इस अभियान के माध्यम से रेन वाटर हार्वेस्टिंग और भू-जल पुनर्भरण संरचनाओं के निर्माण के लिए प्रवासियों का सहयोग लिया जा रहा है, ताकि जल सुरक्षा को मजबूत किया जा सके।
- विद्यालय की भामाशाह योजना-2025 के द्वारा प्रवासी एवं दानदाता सरकारी विद्यालयों को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में बदलने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इस योजना में आधुनिक अवसंरचना, आईसीटी सुविधाओं, स्वच्छता और डिजिटल संसाधनों के विकास में भागीदारी का अवसर है। बड़े योगदान पर विद्यालयों को दानदाता के नाम से पहचान देने का भी प्रावधान है।
- इसके साथ ही ऑनलाइन फंडिंग प्लेटफॉर्म ज्ञान संकल्प पोर्टल के माध्यम से प्रवासी समुदाय अपनी पसंद की शिक्षा परियोजनाओं में ऑनलाइन योगदान कर सकते हैं।
- राज्य सरकार ने सरकारी संस्थानों के नामकरण की नीति भी लागू की है जिसके अंतर्गत दानदाताओं द्वारा निर्माण लागत के अनुरूप कॉलेज, अस्पताल, स्कूल या उनकी आंतरिक सुविधाओं का नामकरण किया जा सकता है।
- नंदीशाला जन सहभागिता योजना के माध्यम से राज्य सरकार और दानदाताओं के सहयोग से पंचायत समिति स्तर पर नंदीशालाओं के निर्माण की व्यवस्था भी की गई है, जिसमें प्रवासी समुदाय महत्वपूर्ण भागीदार बन सकता है।

प्रवासी राजस्थानियों के लिए खुले सहभागिता के नए द्वार

मातृभूमि के प्रति निष्ठा और योगदान की भावना को सम्मान देते हुए सहभागिता फ्रेमवर्क तैयार किया है। यह फ्रेमवर्क प्रवासी समुदाय को विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सामाजिक अवसंरचना, स्वास्थ्य, शिक्षा और ग्रामीण विकास जैसे क्षेत्रों में योगदान करने का अवसर देता है। राज्य सरकार ने प्रवासी राजस्थानियों के परिवारों की समस्याओं के समाधान के लिए सिंगल प्वाइंट ऑफ कॉन्टेक्ट के रूप में सभी जिलों में अतिरिक्त जिला कलक्टर को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।

किशनगढ़ की धरा से आज हुई एक नए सामाजिक युग की शुरूआत

इतिहास में प्रथम बार पंचायत में महिलाओं की भागीदारी

किशनगढ़. शाबाश इंडिया

किशनगढ़ जैन समाज की तेरापंथ पंचायत के चुनाव में आज इतिहास रच दिया गया, जब पहली बार महिलाओं ने भागीदारी निभाते हुए शानदार विजय हासिल की। रश्मि छाबड़ा ने सर्वाधिक मत प्राप्त कर ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया, वहीं तृप्ति बोहरा भी विजयी रहीं। दोनों महिला प्रत्याशियों को हार्दिक बधाइयां एवं शुभकामनाएं। सामाजिक दृष्टि से महिलाओं का योगदान सदैव महत्वपूर्ण रहा है। यदि यथार्थ रूप से देखा जाए तो मंदिरों में पुरुषों की तुलना में महिलाओं की संख्या अधिक रहती है। पूजन–विधान–अनुष्ठान में

लगभग 80% महिलाओं की सहभागिता होती है। साधुसंतों के आहार की जिम्मेदारी भी प्रायः महिलाओं पर आधारित रहती है। नगर प्रवेश महोत्सवों में केसरिया ध्वजा लेकर सबसे आगे महिलाएँ ही रहती हैं। हर धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन के केंद्र में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऐसे में पंचायत में महिलाओं की भागीदारी का अभाव लंबे समय से विचारणीय प्रश्न था। किंतु आज किशनगढ़ की धरती से इस प्रश्न का उत्तर मिल गया–महिलाएँ न केवल सक्षम हैं, बल्कि नेतृत्व करने में भी अग्रणी हैं। चुनाव लड़ने का साहस स्वयं में उपलब्धि है, और विजय प्राप्त करना एक नए युग की शुरूआत का संकेत है। यह परिवर्तन श्री प्रकाशचंद गंगवाल के नेतृत्व में संभव हुआ, जिन्होंने समाज में महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने का साहसिक निर्णय लिया। आयोजन तथा प्रबंधन की ज़िम्मेदारी में महिलाओं को भूमिका देना निश्चित ही सम्मान और समानता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रदीप जी गंगवाल, प्राणेश जी बज, सम्पत जी दगड़ा, इंदरचंद जी पाटनी सहित सभी विजयी समाज बंधुओं को हार्दिक बधाई एवं अभिनंदन।

जितेंद्र पाटनी, किशनगढ़

आचार्य श्री 108 विनिश्चय सागर महाराज के मंगल विहार में रामगंजमंडी नगर का अभूतपूर्व समर्पण

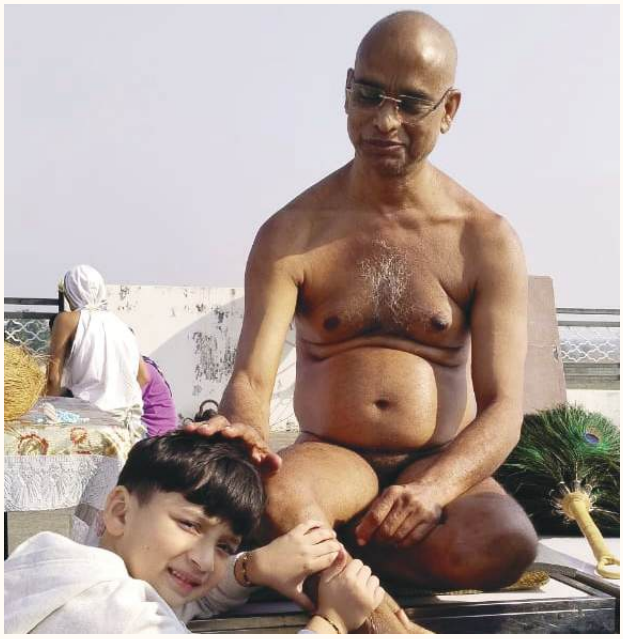

भीषण शीतलहर में भी नहीं दिखी उत्साह की कमी

रामगंजमंडी. शाबाश इंडिया

रामगंजमंडी नगर में आचार्य श्री 108 विनिश्चय सागर महाराज का वषायोग अत्यंत ऐतिहासिक और भव्य रहा। आचार्य श्री एवं उनके संघ के प्रति श्रद्धालुओं का समर्पण अभूतपूर्व रहा। गुरुवर के प्रति आस्था का अद्वितीय दृश्य उस समय देखने को मिला जब गुरुदेव का विहार कोटा की ओर प्रारंभ हुआ। आज गुरुदेव ने मन्नालाल गुर्जर की फैक्ट्री पर मंगल आहारचर्या ग्रहण की। प्रातः बेला में जैसे ही आचार्य श्री ने मंगल विहार प्रारंभ किया, विहार के आरंभ से पहले ही 50 से अधिक युवक, महिलाएं एवं बच्चे गुरुदेव के समीप पहुंच गए। भीषण शीतलहर और कड़ाके की ठंड के बावजूद श्रद्धालु जय-जयकार करते हुए पैदल विहार में सम्मिलित रहे–जो समर्पण और आस्था का जीवंत उदाहरण है। सबसे प्रेरणादायक दृश्य छोटे-छोटे बच्चों का था, जो ठंड में भी नंगे पैर गुरुदेव के साथ विहार कर रहे थे। मुकुंदरा दरा के सघन जंगलों के बीच यह विहार निस्संदेह ऐतिहासिक और अविस्मरणीय कहा जाएगा। दिगम्बरत्व की कठोर साधना–निर्मोहिता और निष्प्रहता–इस भीषण ठंड में संतों के विहार के माध्यम से प्रत्यक्ष रूप से दिखाई दी। यह मंगल विहार इस सत्य का प्रमाण बना कि गुरुदेव ने बच्चों, युवाओं, बुजुर्गों और महिलाओं–सभी वर्गों को धर्म से जोड़कर रखा है। सचमुच यह भाव आज साकार हुआ कि साधना के रास्ते, कामना के वास्ते, मुक्ति की मंजिल मिले; शांति के पदचिह्न मिले–चल दे राही चल...

अभिषेक जैन लुहाड़िया,
रामगंजमंडी
मो.: 9929747312

नवम् पुण्यतिथि

स्व. श्री मनोज (सोनू) छाबड़ा

की नवम् पुण्यतिथि पर
भावपूर्ण श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं।

: श्रद्धावनत :

गुणमाला देवी (माता), विनोद (मोनू)-रविना छाबड़ा (भ्राता-भ्रातावधू), अरायना (भतीजी)

पदम चन्द (चाचा), सुमित (भाई), संगीता-निर्मल जी रारा (बहन-बहनोई), संयम, हर्षित (भान्जे), कुसुम ठोलिया (मोसी)

: ननिहाल पक्ष :

रतनलता, हीरामनी, हेमा, भागचन्द, दिलीप, प्रदीप, दीपक, मुकेश, गौरव, वैभव लुहाडिया नरैना वाले

निशुल्क मिर्गी रोग शिविर में 43 रोगी हुए लाभान्वित

गुलाबपुरा (रोहित जैन)

श्री प्राज्ञ मिर्गी रोग निवारक समिति, गुलाबपुरा द्वारा माह के तृतीय रविवार को आयोजित निशुल्क स्वास्थ्य शिविर 16.11.25 (रविवार) को संस्था परिसर में आयोजित किया गया। संस्था के मंत्री पदमचंद खटोड़ ने बताया कि शिविर में राजस्थान हॉस्पिटल, जयपुर के वरिष्ठ न्यूरो-फिजिशियन डॉ. विक्रम बोहरा ने अपनी सेवाएँ प्रदान कीं। उन्होंने कुल 43 मरीजों का परामर्श किया, जिनमें 8 नए मरीज शामिल थे। सभी मरीजों को निःशुल्क दवाओं का वितरण किया गया। शिविर के लाभार्थियों में परसा जी, शिवराज जी, बुधाराम जी, सत्यनारायण जी, राकेश जी प्रजापत (मेड़ता सिटी) प्रमुख रहे। शिविर में अनिल जी चौधरी ने मरीजों को मिर्गी रोग से बचाव, सावधानियों और योगाभ्यास के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा नियमित योग करने पर जोर दिया। मंत्री पदमचंद खटोड़ ने समिति की गतिविधियों की जानकारी दी, वहीं अध्यक्ष घेवरचंद श्रीश्रीमाल ने सभी का आभार व्यक्त किया। बुधाराम जी ने मरीजों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की शुभकामनाएँ दीं। लाभार्थी परिवारों से श्रीमती अनूप, श्रीमती सरोज, श्रीमती परमा, श्रीमती अनिता, श्रीमती मीनाक्षी भी उपस्थित रहीं। शिविर में मदनलाल जी लोढ़ा, मदनलाल जी रांका, सुशील जी चौधरी, दिनेश जी जोशी, प्रेम जी पाडलेचा, दिलीप जी पाराशर आदि ने सेवाएँ प्रदान कीं। मरीजों एवं परिजनों हेतु निःशुल्क भोजन की व्यवस्था स्व. श्रीमती प्रेमकंवर (धर्मपत्नी स्व. श्री जयसिंह जी चौधरी) की पुण्य स्मृति में श्री पुखराज जी चौधरी एवं श्रीमती विमला जी चौधरी (अजमेर) के सौजन्य से की गई, जिसमें 105 से अधिक व्यक्तियों ने लाभ उठाया।

मूल्य एवं नैतिकता पर कार्यशाला आयोजित

एस.एस. जैन सुबोध पी.जी. कॉलेज, जयपुर

जयपुर. शाबाश इंडिया। एस.एस. जैन सुबोध पी.जी. (स्वायत्त) कॉलेज के समाजशास्त्र एवं सामाजिक कार्य विभाग द्वारा ''सामाजिक कार्य अभ्यास में मूल्य एवं नैतिकता का महत्व'' विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य वक्ता श्री विजय व्यास एवं श्री उपेन्द्र सिंह ने सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए मूल्य, संवेदनशीलता, जवाबदेही और नैतिक आचरण की अनिवार्यता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सामाजिक कार्य के क्षेत्र में नैतिक सिद्धांत ही कार्य की विश्वसनीयता और प्रभावशीलता सुनिश्चित करते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. रेणु जोशी ने की। उन्होंने विद्यार्थियों को समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने हेतु नैतिक मूल्यों को व्यवहार में अपनाने का आह्वान किया। कार्यशाला संयोजक डॉ. अनंत विजया सोनी (विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र) ने बताया कि इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य यह समझाना है कि नैतिक आचरण और मूल्यों को अपनाकर ही समाज में सार्थक सहभागिता की जा सकती है। कार्यशाला में विभाग के शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

सेंट्रल बैंक के सेवानिवृत्त अधिकारियों ने मनाया दीवाली स्नेह मिलन समारोह

जयपुर. शाबाश इंडिया

सेंट्रल बैंक रिटायर्ड ऑफिसर्स एसोसिएशन राजस्थान द्वारा रविवार को बापूनगर स्थित विनोबा ज्ञान मंदिर में दीवाली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों से आए सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। क्षेत्रीय सचिव पदम जैन बिलाला ने बताया कि समारोह की अध्यक्षता आर.के. बक्शी ने की। इस अवसर पर बी.एस. राठौड़, पी.आर. शर्मा, डी.एन. खंडेलवाल, मनोज शर्मा, एस.आर. खटीक सहित अन्य पदाधिकारियों ने उपस्थित सदस्यों को संबोधित किया। सीबीआरओए के महासचिव एन.के. पारीक ने हाल ही में हुए विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों की जानकारी साझा करते हुए पेंशन अपग्रेडेशन की माँग पर हुई प्रगति से सदस्यों को अवगत कराया। समारोह की शुरूआत सभी सदस्यों को दीवाली की शुभकामनाएँ देने और नए सदस्यों के स्वागत के साथ हुई। इस अवसर पर सेवानिवृत्त सदस्यों को निरंतर सहयोग देने वाले सेवा-भावी आर.के. जैन का पदाधिकारियों द्वारा माला एवं शाल पहनाकर सम्मान किया गया। अंत में ललित शर्मा ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

वेद ज्ञान

नए कार्य के शुरू होने से पहले छींक आए तो होता हैं शुभ संकेत

छींक का आना एक आम बात है। यह आपको कभी भी किसी वक्त आ सकती है। लोगों की छींक आने पर बनी सोच के अनुसार यह अशुभ संकेत या उन्हें नजर लगने की ओर इशारा करती है। वहीं डाक्टरों के मुताबिक जब नाक के अंदर कुछ कचरा फंस जाता है तो छींक आने से आपके नाक से कचरा अपने आप साफ हो जाता है। मगर वहीं वास्तु के अनुसार छींक आना हर बार अशुभ नहीं बल्कि कई बार शुभ भी माना जाता है। अक्सर लोग घर से बाहर निकलते वक्त यदि किसी व्यक्ति की छींक सुन लें तो उनके मन में भ्रम पैदा हो जाता है। मगर वास्तु के अनुसार यदि आपको छींक पीछे से सुनाई दे तो यह अशुभ नहीं बल्कि शुभ संकेत हैं। इसका मतलब आप जिस काम के लिए भी जा रहे हैं तो वह काम बिना किसी विघ्न के पूरा हो जाएगा। उसी तरह बाजार में खरीरदारी करते वक्त अगर किसी की छींक सुनाई दे तो आपके द्वारा खरीदी गईं वस्तुएं आपके लिए शुभ साबित होंगी। ऐसे ही अगर आप नए कपड़े ट्राई करते वक्त किसी की छींक सुनें तो समझ लें आपकी अलमारी नए कपड़ों से भरने वाली है। अगर आप घर में बीमार पड़े किसी व्यक्ति के लिए दवा खरीदने निकलने पर किसी व्यक्ति की छींक सुने तो समझ जाएं कि वह व्यक्ति जल्द ठीक होने वाला है। नया कारोबार या फिर डील शुरू करने जाते वक्त अगर आपको छींक आए तो इसे भी खुद के लिए शुभ मानें। सुबह के वक्त गल्ले पर बैठते वक्त छींक आना भी शुभ माना जाता है। ऐसा होने से आपका दिन शुभ निकलने वाला है। धार्मिक कार्यों की शुरूआत करते वक्त छींक आना अशुभ माना जाता है। रात को सोने से पहले और सुबह उठते ही छींक आना या फिर सुनना अशुभ माना जाता है। परीक्षा देते जाते वक्त छींक आना भी अशुभ बात की तरफ संकेत देता है। किसी यात्रा की शुरूआत से पहले भी छींक सुनना गलत माना जाता है। अगर नए घर में प्रवेश करते वक्त छींक का एहसास हो तो वहीं रुक जाएं। भोजन से पूर्व भी छींक आना अशुभ माना जाता है, इसका असर आपके स्वास्थ पर पड़ता है।

संपादकीय

कांग्रेस को बदलनी होगी अपनी रणनीति

बिहार की राजनीति में कांग्रेस कभी निर्णायक भूमिका निभाने वाली पार्टी थी, लेकिन आज उसकी स्थिति हाशिए पर सिमटकर रह गई है। यह दुर्गति किसी एक चुनाव या एक नेतृत्व परिवर्तन का परिणाम नहीं, बल्कि लंबे समय से जारी संगठनात्मक ढिलाई, नेतृत्वहीनता, जमीनी सक्रियता की कमी और बदलते सामाजिक-राजनीतिक समीकरणों को समझने में असफलता का संचयी प्रभाव है। बिहार की राजनीति तेजी से बदलती रही,

पर कांग्रेस उसी पुरानी शैली, वही जड़ता और वही असमंजसपूर्ण रणनीतियों के साथ आगे बढ़ती रही। सबसे बड़ी समस्या यह रही कि कांग्रेस ने बिहार को अपने राजनीतिक एजेंडे में कभी प्राथमिकता नहीं दी। प्रदेश नेतृत्व लंबे समय तक कमजोर रहा, कार्यकर्ताओं में ऊर्जा की कमी रही और केंद्रीय नेतृत्व का ध्यान बिहार पर स्थायी रूप से केंद्रित नहीं रहा। जबकि राज्य में सत्ता की लड़ाई लगातार तेज और बहुआयामी होती गई, कांग्रेस केवल गठबंधन राजनीति पर निर्भर रह गई और वह भी ऐसे अंदाज में जिसमें उनकी अपनी पहचान लगभग समाप्त हो गई। जब कोई पार्टी अपनी वैचारिक आवाज और संगठनात्मक ताकत खो देती है, तो गठबंधन में भी उसका योगदान नगण्य रह जाता है। कांग्रेस का दूसरा बड़ा संकट उसका सामाजिक आधार खिसकना है। बिहार में मंडल राजनीति के बाद जातिगत आधार पर बनी नई राजनीतिक संरचनाओं ने कांग्रेस को लगभग अप्रासंगिक बना दिया। जिस दल ने कभी सभी समुदायों के बीच संतुलन बनाकर राजनीति की, वह नए सामाजिक समीकरणों के सामने खुद को स्थापित करने में असफल रहा। न तो कांग्रेस ने नई पीढ़ी को जोड़ने की कोई ठोस पहल की और न ही ग्रामीणझकस्बाई क्षेत्रों में मजबूत नेटवर्क खड़ा किया। परिणामस्वरूप, जो मतदाता कांग्रेस का स्वाभाविक समर्थन हुआ करता था, वह दूसरी पार्टियों की ओर खिंच गया। रणनीतिक तौर पर भी कांग्रेस बार-बार गलत फैसले लेती रही। वह कभी गठबंधन में सीटों पर सम्मानजनक लड़ाई नहीं लड़ पाई, कभी उम्मीदवार चयन में भारी चूक कर बैठी और कभी जमीनी स्तर पर संगठन के पुख्ता होने का दावा कर चुनावी मुकाबले में उतर गई। चुनावी राजनीति में सिर्फ राष्ट्रीय नेतृत्व की सभाओं या दिग्गजों के दौरे से काम नहीं चलता इसके लिए बूथ स्तर तक मजबूत इकाई चाहिए, जो कांग्रेस के पास बिहार में लंबे समय से नहीं है। कांग्रेस की यह दुर्गति केवल चुनावी पराजयों में नहीं दिखती, बल्कि इस बात में भी कि उसके मुद्दे जनता तक पहुँच ही नहीं पाते। न वह बेरोजगारी, किसानों, शिक्षा, स्वास्थ्य या भ्रष्टाचार जैसे विषयों पर मजबूत और विश्वसनीय लड़ाई खड़ी कर पाई। न ही उसने खुद को भाजपा और क्षेत्रीय पार्टियों के बीच किसी वैकल्पिक राजनीतिक ध्रुव के रूप में पेश किया। परिणामस्वरूप कांग्रेस न केवल कमजोर है, बल्कि अप्रासंगिकता के संकट से भी जूझ रही है। फिर भी स्थिति अपरिवर्तनीय नहीं है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

बिहार चुनाव नतीजे से निकले संदेश

कोई भी घटना अप्रत्याशित नहीं होती। सम्यक आकलन नहीं होता। हमारी नासमझी और व्यापक अनुभवों का उचित मूल्यांकन नहीं होता। हम अनुमान करते हैं। प्रमाणों की सहायता लेते हैं, लेकिन नियति प्रमाणों की परवाह नहीं करती। प्रमाणों के आकलन की छोटी-सी गलती परिणाम बदल देती है। कभी-कभी परिणाम बदलने की जिजीविषा पूरी शक्ति के साथ चुनौती देती है आकाश को, तब सितारों व ग्रह दशा भी बदल जाती है। बिहार चुनाव नतीजे ने सबको चौंकाया है। चुनाव में हार-जीत होती ही है। लेकिन बिहार की जनता ने कमाल किया है और भारतीय चुनाव के इतिहास में नया अध्याय जोड़ दिया है। संविधान निमार्ताओं की भी इच्छा थी कि भारत का लोकतंत्र फले-फूले और जनता अपने प्रतिनिधि चुनने के लिए स्वतंत्र हो। जनता अपने नेता चुनने के अलावा कोई हिंसक रास्ता न अपनाए। इसके लिए स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव आयोग बना। संविधान (अनुच्छेद 324) में मतदाता सूची बनाने से लेकर मतगणना तक की जिम्मेदारी निर्वाचन आयोग पर डाली गई। 1952 से लेकर विधानमण्डल व संसद के चुनाव कराए जा रहे हैं। निष्पक्ष चुनाव का प्रयास देश में पहले से चल रहा है लेकिन जाति, धनबल, बाहुबल के प्रभाव ने संविधान निर्माताओं की अभिलाषा को पूरा नहीं होने दिया। इसका अर्थ यह नहीं है कि भारतीय राष्ट्र राज्य कमजोर है। भारतीय संविधान निमार्ताओं ने संविधान की प्रस्तावना में भारतीय जनता को 'हम भारत के लोग' बनने और होने का आग्रह किया है। राजनीतिक जल्दबाजी में कभी-कभी भारत को हिंदू और मुसलमान का देश कहा जाता है। कोई सिख छोड़ देता है, कोई बुद्ध और महावीर। एक प्रधानमंत्री ने देश के संसाधनों पर मुसलमानों का पहला अधिकार बताया था, लेकिन संविधान निर्माताओं ने 'हम भारत के लोग' कह कर हम सबके सामने एक आदर्श रखा है। हम किसी भी वर्ग या संप्रदाय से सम्बंधित हो सकते हैं। लेकिन प्रथमतः और अंततः भारतीय हैं। संविधान निर्माताओं ने नागरिकों को जाति, संप्रदाय, मत, पंथ मजहब के द्वारा अभिज्ञात नहीं किया है। दुनिया 21वीं सदी में अंतरिक्ष में घर बनाने के सपने देख रही है, लेकिन राजनीति जातियों की गिनती में व्यस्त है। प्रसन्नता की बात है कि जिस बिहार को बम, पिस्तौल और हिंसा के लिए बदनाम किया गया था, उसी बिहार की जनता ने पुनर्जागरण का स्वप्न देखा है। इस देश के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद बिहार के थे। उन्होंने देश को नई दिशा दी थी। सोमनाथ मंदिर का नवनिर्माण हुआ था। कार्यक्रम संयोजक राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद से मिले थे। उन्हें सोमनाथ मंदिर कार्यक्रम में उपस्थित होने के लिए निमंत्रित किया गया था। प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू नहीं चाहते थे कि भारतीय गणराज्य का राष्ट्रपति किसी धार्मिक आयोजन में हिस्सा ले, लेकिन राजेन्द्र प्रसाद वहां गए। प्रधानमंत्री की इच्छा न होने के बावजूद गए। बिहार चुनाव ने किसी भी विभाजक आवाज को अनसुना कर दिया। राजनेता और टिप्पणीकार चुनाव के पहले से ही जीत हार का खाका बना रहे थे। जातियों के प्रतिशत निकाले जा रहे थे। कहा जाता था कि सरकार बनाने के लिए यादव और मुसलमान मिलकर पर्याप्त हैं, इसलिए चुनाव प्रचार की बहुत आवश्यकता नहीं है। इसी तरह सभी छोटी बड़ी पार्टियों में जाति का गणित फिट करने की होड़ थी। नतीजा आ जाने पर भी यह विश्लेषण थमा नहीं। एक बड़े चैनल ने कहा कि महिलाओं ने भारी संख्या में वोट दिया। कहा जाता है कि ज्यादातर महिलाओं ने राजग को वोट किया। चुनाव का यह विश्लेषण अधूरा है।

आचार्य श्री विमर्शसागर जी महामुनिराज का मनाया गया 53वां जन्मोत्सव

सोनल जैन की रिपोर्ट

शामली हुआ भारत में नंबर वन–विमर्श उत्सव पर गुरु भक्तों ने दी शुभकामनाएं; आचार्य श्री विमर्शसागर जी महामुनिराज का मनाया गया 53वां जन्मोत्सव साथ ही आर्यिका रत्न शिरोमणि विमर्शिता श्री का प्रथम दीक्षा दिवस महोत्सव 15 नवम्बर 2025 शामली के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित हो गया। धर्मनगरी शामली में संपूर्ण भारतवर्ष से पहुँचे गुरु भक्तों ने अपने परम आराध्य, भावरिंगी संत श्रमणाचार्य गुरुवर श्री 108 विमर्शसागर जी महामुनिराज का 53वाँ विमर्श उत्सव–जन्म जयंती महोत्सव–गुरु चरणों की आराधना के साथ अत्यंत हर्षोल्लास से मनाया। इस पावन अवसर पर विगत वर्ष दीक्षित आर्यिका श्री 105 विमर्शिता श्री माताजी तथा 13 संयमियों का प्रथम दीक्षा दिवस भी भक्तों ने मणि-कांचन संयोग के समान हर्षपूर्वक मनाया। गुरु भक्तों ने शामली में त्रिदिवसीय विमर्श उत्सव में उत्साहपूर्वक भाग लिया। 13 नवम्बर को मध्याह्न बेला में आध्यात्मिक कवि सम्मेलन एवं रात्रिकालीन बेला में काव्य पाठ का आयोजन हुआ। 14 नवम्बर को प्रातः श्री शान्तिनाथ दिव्यार्चना तथा संध्या बेला में भजन सम्राट रूपेश जैन द्वारा एक शाम विमर्श उत्सव के नाम कार्यक्रम में भक्तिमय प्रस्तुति दी गई। उत्सव में उपस्थित प्रत्येक गुरु भक्त के हाथ में एक महकता पुष्प था। आचार्य श्री ने मंगल आशीर्वाद देते हुए कहा मेरा आशीर्वाद है कि आपका जीवन खिले हुए फूलों की तरह सदैव महकता रहे। उन्होंने आगे कहा आज मुनि श्री विचिन्त्यसागर जी का 13वाँ दीक्षा दिवस है और गत वर्ष दीक्षित 13 शिष्यों का प्रथम दीक्षा दिवस भी है। सभी शिष्य योग्य एवं श्रेष्ठ हैं। इनके साथ आर्यिका विमर्शिता श्री माताजी का भविष्य अत्यंत विशिष्ट होगा। आचार्य श्री विमर्शसागर जी महामुनिराज के अवतरण दिवस कार्यक्रम में मध्यप्रदेश, भिण्ड के युवा पत्रकार जिनागमपंथी सोनल जैन को आचार्य श्री के परम आशीर्वाद से विमर्श रत्न पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। मंगल शुभाशीष उपरांत विमर्श गुरुकुल के शिष्यों एवं गुरु भक्तों ने गुरुवर के जन्मोत्सव पर शुभकामनाएँ अर्पित कीं। शुभकामना महोत्सव के पश्चात उपस्थित जनसमूह ने गुरुदेव का अष्ट-मांगलिक द्रव्यों से पूजन कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

सोनम पाटनी राष्ट्रीय करणी सेना फिल्म एसोसिएशन की जिला महिला अध्यक्ष नियुक्त

लाडनूं. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन समाज की सदस्य एवं फिल्म अभिनेत्री सोनम पाटनी को राष्ट्रीय करणी सेना फिल्म एसोसिएशन द्वारा जिला कुचामन-डिडवाना की महिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। सोनम की यह नियुक्ति एसोसिएशन के संस्थापक श्री शिवसिंह शेखावत के निदेर्शानुसार की गई, जिसकी औपचारिक सूचना प्रदेश महिला अध्यक्ष रुपल जांगिड़ द्वारा जारी पत्र के माध्यम से दी गई। पत्र में अपेक्षा व्यक्त की गई है कि वे निष्ठा, परिश्रम और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए संगठन के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। सोनम पाटनी अब तक बाबुल थारी लाडली, आपां नै तो बेटी बचाणी है, मुकलावो, मायरो, बिंदोरी, ये कैसा है दहेज, देख्या ठा पड़सी, दुल्हनिया किश्तों में, आ तो जोर की होई, ऐनी टाइम हेकड़ी, जरी वाला आसमान, गैंगस्टर, देवी एक मां, भीगे होंठ तेरे, पचड़ा व गांधी-द आइडल सहित कई फिल्मों में महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभा चुकी हैं। उन्हें राजस्थानी फिल्म बेस्ट एक्ट्रेस अवॉर्ड, मिसेज राजस्थान तथा नारी रत्न सम्मान सहित कई अलंकरणों से सम्मानित किया जा चुका है। सोनम लाड़नूं नगर में आयोजित दशहरा मेले में सीता जी की भूमिका निभा चुकी हैं और नगर में आयोजित विभिन्न सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से संलग्न रही हैं।

सेंट्रल बैंक के सेवानिवृत्त अधिकारियों ने मनाया दीवाली स्नेह मिलन समारोह

जयपुर. शाबाश इंडिया

सेंट्रल बैंक रिटायर्ड ऑफिसर्स एसोसिएशन राजस्थान द्वारा रविवार को बापूनगर स्थित विनोबा ज्ञान मंदिर में दीवाली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में राजस्थान के विभिन्न स्थानों से आए सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। क्षेत्रीय सचिव पदम जैन बिलाला ने बताया कि समारोह की अध्यक्षता आर.के. बक्शी ने की। इस अवसर पर बी.एस. राठौड़, पी.आर. शर्मा, डी.एन. खंडेलवाल, मनोज शर्मा, एस.आर. खटीक सहित अन्य पदाधिकारियों ने उपस्थित सदस्यों को संबोधित किया। सीबीआरओए के महासचिव एन.के. पारीक ने हाल के महत्वपूर्ण मुद्दों की जानकारी साझा करते हुए पेंशन अपग्रेडेशन की माँग पर हुई प्रगति से सदस्यों को अवगत कराया। समारोह की शुरूआत सभी सदस्यों को दीवाली की शुभकामनाएँ देने और नए सदस्यों के स्वागत के साथ हुई। इस अवसर पर सेवानिवृत्त सदस्यों की निरंतर सहायता करने वाले सेवा-भावी आर.के. जैन को पदाधिकारियों द्वारा माला एवं शाल पहनाकर सम्मानित किया गया। अंत में ललित शर्मा ने सभी उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया।

विशाल पाषाण जिनालय के साथ नन्दीश्वर दीप गगन विहारी का हुआ शिलान्यास

प्रतिष्ठाचार्य प्रदीप भईया के मंत्रोच्चार के बीच रखी गई शिला, स्वर्गों में कोई तीर्थ नहीं बनता, यह सौभाग्य केवल कर्मभूमि के मनुष्य को ही मिलता है: मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज

विजय धुर्रा, मंत्री जैन समाज

थूवोनजी। अंचल के सबसे बड़े तीर्थ अतिशय क्षेत्र दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी में परम पूज्य आध्यात्मिक संत, निर्यापक श्रमण, राष्ट्र संत मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज ससंघ–क्षुल्लक श्री गंभीर सागर जी महाराज, क्षुल्लक श्री वरिष्ठ सागर जी महाराज, क्षुल्लक श्री विदेह सागर जी महाराज–के पावन सान्निध्य में तथा प्रतिष्ठाचार्य प्रदीपभइया के मंत्रोच्चार के बीच भव्य पाषाण से निर्मित पंचमुखी विशाल जिनालयों का विधिपूर्वक शिलान्यास सम्पन्न हुआ। श्रावक श्रेष्ठी कवूलचंद्र-श्रेयांस कुमार-ऋषभ कुमार कोरवास परिवार को प्रथम जिनालय, शालू भारत-गौरव जैन-रिक्कू भारत परिवार को द्वितीय जिनालय, विमल कुमार-मनीष कुमार-आशीष कुमार-सोनू वरखेड़ा को तृतीय जिनालय, प्रकाशचंद्र-नीरज कुमार बड़कुल को चतुर्थ जिनालय तथा जी.सी. जैन साहब अहमदाबाद परिवार को पंचम जिनालय का शिलान्यास करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। सहस्त्रकूट जिनालय एवं गगन विहारी के सिंह द्वार का शिलान्यास विकास जैन (विशाल फर्नीचर) परिवार द्वारा किया गया।

देवताओं को मंदिर बनाने का सौभाग्य नहीं मिलता: मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज

मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज ने कहा स्वर्गों में कोई तीर्थ नहीं होता। दो प्रकार के मेहमान होते हैं–एक वे, जो आए और चले गए; दूसरे वे, जिन्हें आपने विशेष निमंत्रण देकर बुलाया। देवताओं को मंदिरों के शिलान्यास का सौभाग्य प्राप्त नहीं होता, परंतु आज यहाँ मनुष्य को भगवान के मंदिर का निर्माण कराने का पुण्य मिल रहा है। चौरासी लाख योनियों में भटकने का क्रम जिसका समाप्ति की ओर है, वह मनुष्य ही भगवान के आवास का दान करने का पात्र बनता है। उन्होंने कहा कि आवास दान दो प्रकार का होता है–साधुओं को दिया जाने वाला आवास दान, और महा-साधुओं अर्थात तीर्थंकर प्रभुओं को दिया जाने वाला आवास दान। जो देव-शास्त्र-गुरु को आवास दान देता है, उसके लिए मैं यही व्यवस्था कर रहा हुं कि उसे कभी फुटपाथ पर जन्म न लेना पड़े। आप मंदिर वना रहे हैं; यदि इस दौरान आपका देहावसान हो गया, तो आपका भविष्य जन्म ऐसे महलों में होगा जहाँ आपके लिए कुछ भी बनाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। बुंदेलखंड के सभी तीर्थों को भक्तों ने बनाया है कि क्षेत्र कमेटी के प्रचार मंत्री विजय धुर्रा ने कहा आचार्य श्री ने कहा था कि सुधासागरजी आ गए तो थूवोनजी पचास वर्ष आगे निकल जाएगा। आज यह स्वप्न साकार होता प्रतीत हो रहा है। वर्षों की प्रतीक्षा और सतत प्रयासों के बाद दर्शनोदय तीर्थ पर पंचमुखी जिनालय, सिंह द्वार और श्री नन्दीश्वर दीप के बावन जिनालयों का शिलान्यास परम पूज्य गुरुदेव के सान्निध्य में 16 नवंबर को सम्पन्न होने जा रहा है। हम भाग्यशाली परिवारों का सम्मान कर कृतार्थ हो रहे हैं। कमेटी अध्यक्ष अशोक जैन टींगू, उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र रोकड़िया, संजीव जैन, महामंत्री मनोज भैसरवास, कोषाध्यक्ष प्रमोद मंगलदीप, मंत्री शैलेन्द्र दद्दा, राजेन्द्र हलवाई, प्रदीप रानी, अनिल बंसल, डॉ. जितेन्द्र जैन, प्रचार मंत्री विजय धुर्रा, मीडिया प्रभारी अरविंद कचनार, ऑडिटर अक्षय अमरोद, अन्य गणमान्य पदाधिकारियों द्वारा सभी पुण्यशाली परिवारों का तिलक, माला और पीतवस्त्र से सम्मान किया गया।

मुरैना में स्याद्वाद युवा क्लब दिल्ली ने किया सामूहिक अभिषेक; युगल मुनिराजों ने दिया मंगल आशीर्वाद

मुरैना. शाबाश इंडिया

अंतर्राष्ट्रीय स्याद्वाद युवा क्लब के सदस्यों ने रविवार को नगर के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन पंचायती बड़ा जैन मंदिर में सामूहिक कलशाभिषेक व शांतिधारा कर पुण्यार्जन किया। आचार्यश्री विद्यासागरजी एवं आचार्यश्री आर्जवसागरजी के युगल शिष्य–निर्यापक श्रमण मुनिश्री विलोकसागरजी व मुनिश्री विबोधसागरजी महाराज–के पावन सान्निध्य में यह आयोजन श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान के तहत सम्पन्न हुआ। प्रातः से ही मंदिर परिसर जयकारों से गुंजायमान रहा। विशेष परिधानों और मुकुटझ माला से सुसज्जित युवाओं ने पाण्डुक शिला पर विराजमान श्री जिनेन्द्र प्रभु का

महामस्तकाभिषेक किया, जिससे वातावरण भक्तिभाव से सराबोर हो गया। स्याद्वाद युवा क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष शैलेश जैन (नोएडा) एवं सुदीप जैन (गुरुग्राम) के नेतृत्व में दिल्ली से पहुंचे सदस्यों ने दीप प्रज्वलित कर, पाद प्रक्षालन कर तथा जिनवाणी भेंट कर भक्ति का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। युगल मुनिराजों ने क्लब के धार्मिक और सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए इसे युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बताया। विधान पुण्यार्जक कैलाशचंद-राकेशकुमार जैन (पूणारावत) परिवार ने सभी सदस्यों को स्मृति-चिह्न देकर सम्मानित किया। आचार्यश्री विद्याभूषण सन्मतिसागरजी

महाराज की प्रेरणा से गठित यह क्लब प्रतिमाह विभिन्न तीर्थ क्षेत्रों में सामूहिक अभिषेक व पूजन कर रहा है। आज का आयोजन मुरैना टीम के सहयोग से सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

कमला बाई चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संवारें बचपन योजना

14 नवंबर—बाल दिवस (Children's Day) कमला बाई चैरिटेबल ट्रस्ट संस्था पिछले 9 वर्षों से संवारें बचपन योजना के अंतर्गत गोद ली गई बालिकाओं को शैक्षणिक सहयोग प्रदान कर रही है। आज बाल दिवस (Children's Day) के अवसर पर कमला बाई चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संवारें बचपन योजना की बालिकाओं को जयपुर के बायोडायवर्सिटी पार्क, गोविंदपुरा का शैक्षणिक एवं मनोरंजक भ्रमण करवाया गया। बालिकाओं के लिए नाश्ता और भोजन की उचित व्यवस्था की गई। उपहार स्वरूप उन्हें वाटर बॉटल, चॉकलेट और कन्फेक्शनरी प्रदान की गईं। मनोरंजन हेतु विभिन्न खेल और गेम्स एक्टिविटी भी आयोजित की गईं। बालिकाओं के ज्ञानवर्धन और मार्गदर्शन के लिए मेंटल हेल्थ काउंसलिंग क्लास आयोजित की गई तथा सेल्फ डिफेंस एजुकेशन से संबंधित जानकारी भी दी गई।

तीर्थंकर मुनिसुव्रत स्वामी की आराधना कर यश-समृद्धि सहित सर्वमंगल की कामना

महासाध्वी कुमुदलताजी म.सा. आदि ठाणा के सानिध्य में चन्द्रशेखर आजादनगर में अनुष्ठान आराधना

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

अनुष्ठान आराधिका, ज्योतिष चन्द्रिका महासाध्वी डॉ. कुमुदलताजी म.सा. आदि ठाणा के सानिध्य में शनिवार को चन्द्रशेखर आजादनगर में आयोजित अनुष्ठान आराधना के दौरान 20वें तीर्थंकर मुनिसुव्रत स्वामी भगवान का जाप कराया गया। तीर्थंकर भक्ति एवं धर्म आराधना का ऐसा अनुपम वातावरण बना कि संपूर्ण परिसर आध्यात्मिक ऊर्जा और सकारात्मकता से सराबोर हो उठा। सुभाषनगर स्थानक में चातुर्मास सम्पन्न करने के पश्चात महासाध्वी मण्डल ने धन्यवाद यात्रा के तहत चन्द्रशेखर आजादनगर में श्री अरिहंत विकास समिति के तत्वावधान में जैन मंदिर के समीप ग्राउंड में आयोजित आराधना में मुनिसुव्रत स्वामी भगवान की महिमा का स्तवन कराया। जाप के माध्यम से तीर्थंकर परमात्मा से सभी के जीवन में यश, प्रतिष्ठा, सुख और शांति प्रदान करने की प्रार्थना की गई। भक्तिझआराधना के इस अनुष्ठान में शामिल होने हेतु भीलवाड़ा के विभिन्न क्षेत्रों से सैकड़ों श्रावकझश्राविकाएं पहुंचे और शुद्ध भावों से जाप किया, जिससे वातावरण पावन और पवित्र बन गया। महासाध्वी कुमुदलताजी म.सा. ने प्रवचन में कहा कि जीवन में परिवर्तन लाकर स्थिरता और शांति प्राप्त करनी हो तथा यश की प्राप्ति करनी हो, तो मुनिसुव्रत स्वामी की आराधना नियमित रूप से करनी चाहिए। शनिवार के दिन की यह आराधना विशेष फलदायी होती है। हर वार का अपना महत्व है और कोई भी वार बुरा नहीं होता। 20वें तीर्थंकर की यह आराधना संदेश देती है कि जीवन में 20 आस्रवों का त्याग कर 20 संवरों में प्रवेश करना है। तीर्थंकर भगवान सभी की रक्षा करें और सबको सुख-शांति और समृद्धि प्रदान करें। उन्होंने अनुष्ठान आराधना के लाभार्थी राजेन्द्र-सुनीता सकलेचा परिवार को मंगलभावनाएं देते हुए कहा कि उन्होंने संत सेवा की भावना से रूप रजत विहार स्थानक का निर्माण कर प्रशंसनीय कार्य किया है। समारोह में स्वरसाम्राज्ञी डॉ. महाप्रज्ञाजी म.सा. ने भावपूर्ण भजनों की प्रस्तुति दी। अनुष्ठान की शुरूआत में महासाध्वी मण्डल के सानिध्य में श्री व्रज पंच्चर स्तोत्र की आराधना की गई। वास्तुशिल्पी पद्मकीर्तिजी म.सा. एवं विद्याभिलाषी राजकीर्तिजी म.सा. ने श्री घंटाकर्ण महावीर स्त्रोत की आराधना कराई। लाभार्थी परिवार—गुलाबचंद-लाड़देवी तथा राजेन्द्र-सुनीता-दिव्यांश-जयांश सकलेचा परिवार का श्री अरिहंत विकास समिति एवं आध्यात्मिक चातुर्मास आयोजन समिति की ओर से स्वागतझअभिनंदन किया गया। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में गुलाबपुरा पुलिस उप अधीक्षक जितेन्द्रसिंह मेड़तिया, समिति अध्यक्ष दौलतमल भड़कत्या, उपाध्यक्ष सुनील नाहर, सचिव राजेन्द्र सुराना, कोषाध्यक्ष मदनलाल सिपानी, सुभाषनगर श्रीसंघ अध्यक्ष हेमन्त कोठारी, उपाध्यक्ष अनिल कोठारी, मदनलाल चौरड़िया, पूर्व सभापति मंजू पोखरना, शकुन्तला खमेसरा आदि उपस्थित रहे। समारोह के प्रारम्भ में लाभार्थी परिवार, श्रीसंघ, महिला एवं बहु मण्डल, अतिथियों तथा विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों द्वारा नवकार मंत्र चौकी एवं कलश की विधिपूर्वक स्थापना की गई। मंगलाचरण की प्रस्तुति सुनीता सकलेचा एवं टीम ने दी, स्वागत गीत निशा हिंगड़ ने प्रस्तुत किया, जबकि साहित्यकार एस.एन. गग्गड़ ने जैन दिवाकर गुरु आरती की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में जैन दिवाकर संघ के कार्यकारी अध्यक्ष सुरेन्द्रसिंह सुराणा एवं वी.के. जैन के जन्मदिवस पर महासाध्वी मण्डल ने मंगलभावना व्यक्त की। स्वागत उद्बोधन अरिहंत विकास समिति के मंत्री सुरेन्द्र चौरड़िया ने दिया। सभी का आभार समिति अध्यक्ष राजेन्द्र सकलेचा ने व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन चातुर्मास समिति के सचिव राजेन्द्र सुराना ने किया। अनुष्ठान समापन पर लाभार्थी सकलेचा परिवार की ओर से गौतम प्रसादी का आयोजन किया गया। सुबह पाम रिसोर्ट से विहार कर रूप रजत विहार भवन पहुंचने के बाद महासाध्वी मण्डल के दर्शन हेतु दिनभर श्रावकझश्राविकाओं का आना जारी रहा।

यश विहार में प्रवचन, अनुष्ठान एवं नगर विदाई समारोह आज

महासाध्वी कुमुदलताजी म.सा. आदि ठाणा रविवार सुबह 7 बजे रूप रजत विहार स्थानक से विहार कर कोटा रोड स्थित यश विहार पहुंचेंगे। यहाँ श्री यश कंवर चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में सुबह 9 बजे से प्रवचन, अनुष्ठान एवं नगर विदाई समारोह आयोजित होगा। चातुर्मास सम्पन्न होने के बाद धन्यवाद यात्रा के तहत भीलवाड़ा शहर सीमा में यह अंतिम आयोजन होगा।

निलेश कांठेड़:
मीडिया प्रभारी
आध्यात्मिक चातुर्मास आयोजन समिति, भीलवाड़ा
मो. 9829537627

राजस्थान स्टेट U-19 ओपन एवं गर्ल्स चेस चैंपियनशिप 2025 का भव्य शुभारंभ

जयपुर

राजधानी जयपुर में आयोजित राजस्थान स्टेट U-19 ओपन एवं गर्ल्स चेस चैंपियनशिप 2025 का शानदार उद्घाटन आज प्रातः हुआ। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ माननीय सांसद श्रीमती मंजू शर्मा एवं आयोजन सचिव श्री जिनेश कुमार जैन ने संयुक्त रूप से चेस बोर्ड पर पहला मूव खेलकर किया, जिसने इस महत्वपूर्ण टूर्नामेंट की प्रेरक शुरुआत की।यह प्रतियोगिता चेस पेरेंट्स एसोसिएशन राजस्थान द्वारा जयपुर जिला चेस एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित की जा रही है।उद्घाटन अवसर पर माननीय सांसद श्रीमती मंजू शर्मा ने कहा कि, "इस तरह के प्रेरणादायक टूर्नामेंट युवाओं में बौद्धिक विकास, आत्मविश्वास और प्रतिस्पर्धात्मक भावना को बढ़ावा देते हैं। जयपुर में ऐसे आयोजन नियमित रूप से होते रहना चाहिए। सभी आयोजकों को साधुवाद।"आयोजन सचिव श्री जिनेश कुमार जैन ने बताया कि प्रतियोगिता में प्रदेशभर से प्रतिभाशाली खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह टूर्नामेंट युवा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में खिलाड़ी, अभिभावक, कोच एवं खेलप्रेमी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता 15–16 नवंबर तक आयोजित की जाएगी। जिनेश कुमार जैन-आयोजन सचिव: चेस पेरेंट्स एसोसिएशन राजस्थान

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

आध्यात्मिक वर्षायोग 2025 की संस्मरण पुस्तिका आर्यिका संघ को भेंट

खेरवाड़ा–नेमीनाथ जिनालय में चातुर्मासरत आर्यिका सुप्रज्ञ मति माताजी संसंघ को आज रविवार को तहसील रोड स्थित शांतिनाथ जिनालय के सभागार में आध्यात्मिक वर्षायोग से संबंधित स्मृति-2025 पुस्तिका भेंट की गई। चातुर्मास कमेटी के अध्यक्ष नरेंद्र पंचोली ने बताया कि आर्यिका संघ का वर्षायोग नेमीनाथ जिनालय में सम्पन्न हुआ। इस दौरान मंगल प्रवेश, कलश स्थापना, भक्तामर विधान, कल्पद्रुम महामंडल विधान, सिद्धचक्र विधान, नेमीनाथ विधान, मुनिश्रुत विधान, आचार्य अवतरण दिवस, पिच्छी परिवर्तन, कलश निष्ठापन सहित अनेक धार्मिक अनुष्ठान सम्पन्न हुए। चातुर्मास कमेटी ने इन सभी कार्यक्रमों को संजोकर, मीडिया में प्रकाशित समाचारों तथा प्रत्येक कार्यक्रम के छायाचित्रों को एकत्रित कर स्मृति2025 पुस्तिका के रूप में लेमिनेशन सहित तैयार किया, जिसे आज प्रवचन उपरांत आर्यिका संघ के श्रीचरणों में भेंट किया गया। आर्यिका सुप्रज्ञ मति माताजी ने पुस्तिका के सुंदर संकलन को देखकर प्रसन्नता व्यक्त की और मंगल आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर चातुर्मास कमेटी अध्यक्ष नरेंद्र पंचोली, समाज अध्यक्ष वीरेंद्र बखारिया, उपाध्यक्ष विपिन वखारिया, महामंत्री पंकज जैन, चातुर्मास कमेटी मंत्री कुलदीप जैन, कोषाध्यक्ष हेवन फड़िया, जैन समाज अध्यक्ष रमेश कोठारी, पूर्व अध्यक्ष श्याम सुंदर कोठारी, रमण जैन, कन्हैयालाल जैन, बाबूलाल पारस, रितेश जैन, परेश जैन, शालीन जैन सहित अनेक धर्मावलंबी उपस्थित थे।

महावीर इंटरनेशनल अपेक्स द्वारा एआई संचालित डिजिटल मार्केटिंग के नवीन रुझानों एवं रणनीतियों पर वेबिनार आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल अपेक्स द्वारा शिक्षण कौशल एवं व्यक्तित्व विकास निदेशालय के अंतर्गत 16 नवंबर को ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार का उद्देश्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अक) आधारित डिजिटल मार्केटिंग के नवीन रुझानों और रणनीतियों के माध्यम से व्यावसायिक कौशल का विकास करना था। इस ज्ञानवर्धक सत्र में विशेषज्ञ वक्ता इंजीनियर कपिल भार्गव, संस्थापक एवं मुख्य विपणन रणनीतिकार, क्लिकवेदा (इंडिया), ने अपने अनुभव साझा किए। वेबिनार में 200 से अधिक सेवाभावी वीर-वीरा, उनके परिजनों तथा विभिन्न केंद्रों के सदस्यों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का संचालन अंतर्राष्ट्रीय निदेशक वीर सुनील गांग के निर्देशन में, सह निदेशक वीर सुशील जैन एवं राजलक्ष्मी भंडारी के सहयोग से किया गया। महावीर इंटरनेशनल उदयपुर केंद्र के निवर्तमान अध्यक्ष एवं अंतर्राष्ट्रीय निदेशक सुनील गांग ने मुख्य वक्ता कपिल भार्गव, अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जैन, अंतर्राष्ट्रीय महासचिव सोहनलाल वैद्य एवं अंतर्राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष सुधीर जैन का स्वागत कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सह निदेशक राजलक्ष्मी भंडारी ने प्रार्थना से कार्यक्रम की शुरूआत की। मुख्य वक्ता कपिल भार्गव ने अपने 12 वर्षों के अनुभव के आधार पर 2 घंटे की प्रभावशाली प्रस्तुति दी। प्रश्नोत्तर सत्र में प्रतिभागियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का समाधान कपिल भार्गव एवं अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जैन ने संतोषजनक रूप से किया। कार्यक्रम के समापन पर सह निदेशक सुशील जैन ने 10 रीजन से आए अंतर्राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, सचिव, 28 जोन से पधारे जोन चेयरमैनझसचिव, तथा देशभर के केंद्रों से उपस्थित अध्यक्ष, सचिव, वीरझवीरा एवं परिवारजनों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने भविष्य में भी आमजन के हित में ऐसे उपयोगी कार्यक्रम आयोजित करने का आश्वासन दिया।

वीर अनिल बांठिया
अंतर्राष्ट्रीय निदेशक (मीडिया एंड पब्लिसिटी)
महावीर इंटरनेशनल

दिगंबर जैन संत विनम्र सागर जी के निम्बाहेड़ा आगमन पर श्रद्धालुओं ने किया आत्मीय एवं भावभीना अभिनंदन

मनोज सोनी, निम्बाहेड़ा

नगर में प्रसिद्ध दिगंबर जैन संत एवं प्रखर वक्ता मुनि श्री विनम्र सागर जी महाराज के संघ के आगमन पर सकल जैन समाज की अगुवाई में नगरवासियों ने पलक-पांवड़े बिछाकर भावभीनी अगवानी की और आत्मीय स्वागत-सत्कार किया। समाज के प्रवक्ता मनोज सोनी ने बताया कि मुनि श्री विनम्र सागर जी महाराज का संघ बागीदोरा से जयपुर की ओर विहाररत था। शनिवार अपराह्न उनके निम्बाहेड़ा आगमन पर समाजजनों और शहर के प्रबुद्ध जनों द्वारा छोटी सादड़ी रोड, मंडी गेट के पास भव्य स्वागत किया गया। मुनि वृंद के चरण स्पर्श कर श्रद्धालुओं ने आशीर्वाद प्राप्त किया। जुलूस के रूप में मुनि संघ को मंडी चौराहा, एसडीएम ऑफिस स्थित महाराणा प्रताप सर्किल, आदर्श कॉलोनी और जैन स्ट्रीट मार्ग से होते हुए श्री शांतिनाथ जिनालय तक ले जाया गया। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं ने मुनि श्री विनम्र सागर जी, मुनि श्री निस्वार्थ सागर जी, मुनि श्री निसर्ग सागर जी एवं क्षुल्लक श्री हीरक सागर जी महाराज का पद प्रक्षालन कर श्रद्धा व्यक्त की। सायं विद्या प्रमाण सभा मंडपम में आयोजित धर्मसभा में गुरु भक्ति एवं शंका समाधान कार्यक्रम

हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में धर्मावलंबी उपस्थित रहे। गुरु विनम्र सागर जी महाराज ने भक्तों की जिज्ञासाओं का सहजता से धार्मिक एवं तार्किक समाधान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में नगर की साधु-संत विहार समिति के विहार सेवकों को भी आशीर्वाद एवं सराहना प्रदान की गई। रविवार को समाज अध्यक्ष अशोक गदिया एवं महामंत्री वी.के. जैन के नेतृत्व में मुनि श्री ने सरावगी गली स्थित श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में दर्शन किए और धार्मिक कार्यक्रम के अंतर्गत अभिषेक एवं शांतिधारा मंत्रोच्चार सहित विधिपूर्वक सम्पन्न कराई। तत्पश्चात मुनि संघ श्री शांतिनाथ जिनालय, आदर्श कॉलोनी पहुँचा, जहाँ संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की विशिष्ट पूजा, कलशाभिषेक एवं अन्य धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। इन कार्यक्रमों में नगर सहित आस-पास के क्षेत्रों से आए भक्तों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर धर्म-साधना की भावना व्यक्त की।

प्रियंका हॉस्पिटल एंड कार्डियक सेंटर में भव्य निःशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर सम्पन्न

जयपुर

जनस्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से प्रियंका हॉस्पिटल एंड कार्डियक सेंटर, मानसरोवर में रविवार, 16 नवम्बर 2025 को भव्य निःशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह शिविर जस्टिस नगेंद्र कुमार जैन फाउंडेशन ट्रस्ट, ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन ट्रस्ट (रजि.) एवं प्रियंका हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ। शिविर में वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. जी.एल. शर्मा सहित चिकित्सकों की टीम ने मरीजों की विस्तृत जांच कर परामर्श प्रदान किया।डॉ. जी.एल. शर्मा ने कहा—"समय पर बीमारी की पहचान ही सर्वोत्तम इलाज है। ऐसे निःशुल्क शिविर आमजन को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं।" प्रियंका हॉस्पिटल के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. मुंजाल ने संपूर्ण शिविर संचालन का निरीक्षण करते हुए उच्च स्तरीय व गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने की प्रतिबद्धता दोहराई। शिविर में डॉ. पीयूष जोशी (हृदय रोग विशेषज्ञ), डॉ. आशा शर्मा (स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ), डॉ. गणपत देव,डॉ. निखिल व्यास, डॉ. अश्विनी बिलिंदी (हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ), डॉ. निखिल खंडेलवाल,डॉ. प्रियंका पाराशरतथा अन्य विशेषज्ञ चिकित्सकों ने परामर्श प्रदान किया। ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर, ECG, लिपिड प्रोफाइल सहित कई महत्वपूर्ण जांचें पूरी तरह निःशुल्क की गईं। पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति नगेंद्र कुमार जैन ने

संदेश दिया—"स्वास्थ्य ही जीवन की वास्तविक पूँजी है। ऐसे सेवा कार्य समाज को मजबूत और जागरूक बनाते हैं।"ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष प्रमोद जैन 'भँवर' ने कहा—"हमारा उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ समाज के हर व्यक्ति तक पहुँचाना है। भविष्य में भी ऐसे शिविर निरंतर जारी रहेंगे।" कार्यक्रम में रमेश के. अरोड़ा, सुरेश कुमार जैन, एडवोकेट गौरव जी, विमल जी, एन. के. जैन, डॉ. अरुण जैन, मनीषा जैन, आशा शर्मा 'अनुष्ठान', राखी जैन, नवरतन देवी सहित कई गणमान्यजन उपस्थित रहे।शिविर के सफल संचालन में अंशुल श्रीवास्तव, अजय यादव तथा फाउंडेशन एवं हॉस्पिटल टीम का विशेष योगदान रहा। स्थानीय नागरिकों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर निःशुल्क चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठाया और आयोजन की सराहना की।

षष्ठम समाधि दिवस पर जैन बैंकर्स जयपुर द्वारा विनयांजलि सभा का आयोजन

अजमेर

दिनांक 15 नवम्बर 2025 को आचार्य ज्ञान सागर जी मुनिराज (छाणी) के षष्ठम समाधि दिवस के अवसर पर जैन बैंकर्स फोरम द्वारा महावीर नगर जैन मंदिर सभागार में विनयांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस श्रद्धांजलि सभा में बड़ी संख्या में जैन बैंकर्स ने सहभागिता की। आचार्य श्री का राजस्थान से विशेष लगाव रहा। उनके संयम जीवन की शुरूआत 1974 में अजमेर के निकट वीरग्राम में ब्रह्मचर्य दीक्षा के साथ हुई। 15 नवम्बर 2020 को बारां (राजस्थान) में चातुर्मास के दौरान उनका समाधि मरण हुआ, जहाँ उन्होंने जीवन के अंतिम सत्य को प्राप्त किया। समाधि से कुछ समय पूर्व उनके सान्निध्य में बसुआ एवं जहाजपुर में पंचकल्याणक महोत्सव सम्पन्न हुए थे। कार्यक्रम की शुरूआत संयोजक सुनील बज ने की। दीप प्रज्वलन के पश्चात शशि जैन, संतोष जैन, शैलबाला जैन एवं सुधा जैन द्वारा मंगलाचरण प्रस्तुत किया गया और विनयांजलि का क्रम प्रारंभ हुआ। सभा में भागचंद जैन (मित्रपुरा) ने आचार्य श्री द्वारा समाजहित में प्रारंभ किए गए कार्यक्रमों का उल्लेख किया। पदम बिलाला ने पट्टाधीश परंपरा एवं आचार्य परंपरा पर प्रकाश डाला। मुकेश पांड्या ने अपने अनुभव साझा किए। मुख्य अतिथि अनिल जैन ने आचार्य श्री से जुड़े अनकहे संस्मरण तथा बसुआ में सम्पन्न पंचकल्याणक के प्रसंग साझा करते हुए उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। करीब डेढ़ घंटे तक चली इस श्रद्धा-सभा में आचार्य ज्ञान सागर चालीसा तथा पंच परमेष्ठि आरती का सामूहिक पाठ किया गया। अंत में सुभाष जैन ने विनयांजलि एवं धन्यवाद ज्ञापित किया।

मेनार वेटलैंड में परिंदों का मेला

प्रवासी पक्षियों की चहचहाहट से गुलजार हुआ रामसर साइट घोषित मेनार तालाब

उदयपुर. शाबाश इंडिया

शहर से लगभग 45 किलोमीटर दूर स्थित मेनार वेटलैंड इन दिनों हजारों प्रवासी पक्षियों की मौजूदगी से जीवंत हो उठा है। हाल ही में रामसर साइट घोषित इस वेटलैंड कॉम्प्लेक्स में सर्दी की शुरूआत के साथ ही प्रवासी परिंदों का आगमन तेजी से बढ़ा है। चारों ओर गूंजता कलरव, उड़ानों की लय और पानी में तैरते रंग-बिरंगे पक्षी प्रकृति प्रेमियों के लिए अद्भुत दृश्य प्रस्तुत कर रहे हैं। हाल ही में वन्यजीव विशेषज्ञों और फोटोग्राफरों की एक टीम ने यहाँ दो दर्जन से अधिक प्रवासी और स्थानीय पक्षियों का अवलोकन किया। विशेषज्ञों का कहना है कि इन प्रजातियों की उपस्थिति मेनार की उत्कृष्ट जैव-विविधता और अनुकूल पारिस्थितिकी का स्पष्ट संकेत है। शीतकालीन

मौसम में यह क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय स्तर का उभरता हुआ बर्ड वॉचिंग जोन बन जाता है। पिछले आठ-दस वर्षों से मेनार में पर्यावरण एवं पक्षी फोटोग्राफी के उद्देश्य से आने वाले शौकिया छायाचित्रकार देवेन्द्र श्रीमाली और आईटी विशेषज्ञ देवेन्द्र सिंह राठौड़ बताते हैं कि साइबेरिया, यूरोप, यूके और यूएस में कड़ाके की ठंड के कारण ये प्रवासी पक्षी नवंबर से फरवरी के बीच मेनार का रुख करते हैं। भोजन, सुरक्षा और प्रजनन के अनुकूल वातावरण के चलते यह वेटलैंड उनके लिए सुरक्षित ठिकाना माना जाता है। दोनों फोटोग्राफरों ने यूरेशियन हॉबी, यूरोपियन रोलर, ग्रेटर स्पॉटेड ईगल, वेस्टर्न मार्श हैरियर, ब्लूथ्रोट, साइबेरियन स्टोनचैट और कॉमन क्रेन सहित कई दुर्लभ प्रजातियों को अपने कैमरे में कैद किया है। इसके साथ ही ब्लैक-टेल्ड गोडविट, नोर्दर्न शोवलर, रूडी शेलडॉक जैसे मेहमान पक्षियों के आगमन ने भी बर्ड वॉचर्स का उत्साह बढ़ा दिया है। स्थानीय प्रजातियों में कोर्मोरेंट, पर्पल स्वाम्पहेन और स्पॉट-बिल्ड डक अपने आकर्षक रूप से मेनार तालाब की सुंदरता को और निखार रही हैं। प्रवासी मेहमानों के आगमन ने एक बार फिर मेनार को प्रकृति प्रेमियों और फोटोग्राफरों के लिए स्वर्ग में बदल दिया है।

रिपोर्ट/फोटो: कौशल मूंदड़ा

कानूनी करियर के नए आयाम: डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में ''लॉ ओवर कॉफी''-चौथा संस्करण सम्पन्न

आगरा. शाबाश इंडिया

तेजी से बदलते समय में कानून अब न्यायालयों की सीमाओं से बाहर निकलकर कॉर्पोरेट जगत, टेक्नोलॉजी, स्टार्टअप्स, रिसर्च, बौद्धिक संपदा, साइबर सुरक्षा और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के विस्तृत क्षेत्र में अपने नए आयाम गढ़ रहा है। इसी उद्देश्य के साथ डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के लीगल लर्न लॉ द्वारा ''लॉ ओवर कॉफी'' का चौथा संस्करण शनिवार को आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मकसद छात्रों को आधुनिक कानूनी परिदृश्य और उभरते करियर अवसरों से परिचित कराना था। मुख्य वक्ता और संस्थापक आदित्य शर्मा ने कहा कि आज का कानून केवल किताबों, प्रावधानों और तर्कों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह रणनीतिक सोच, व्यवसायिक समझ, संचार-कौशल और तकनीक के संयोजन से आगे बढ़ता है। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में तकनीक-सक्षम वकीलों की मांग लगातार बढ़ेगी। सह-संस्थापक दिव्यांश श्रीवास्तव ने डिजिटल युग में ऑनलाइन प्रोफाइल और व्यक्तिगत ब्रांडिंग की महत्ता पर जोर देते हुए छात्रों को लिंक्डइन, कानूनी ब्लॉग, रिसर्च प्लेटफॉर्म्स और नेटवर्किंग के माध्यम से मजबूत पहचान बनाने की सलाह दी। बौद्धिक संपदा विशेषज्ञ एवं फ्लफ्लीगल के पार्टनर श्री रोहन रैहोत्रा ने IP कानून की प्रासंगिकता समझाते हुए कहा– ''विचारों की सुरक्षा ही शक्ति है, और बौद्धिक संपदा कानून उसी शक्ति का विधान है।'' कार्यक्रम के सफल संचालन में डॉ. रजीव वर्मा (समन्वयक), डॉ. अभिषेक शर्मा, डॉ. रणविजय सिंह और आरोही दीक्षित का योगदान उल्लेखनीय रहा। इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान कर उन्हें इंडस्ट्री-रेडी बनाना था। एलएलबी और एलएलएम के छात्रों ने बड़ी उत्सुकता और ऊर्जा के साथ सहभागिता की।

रिपोर्ट : शुभम जैन

जैन समाज के छोटे बच्चे हो रहे हैं धार्मिक संस्कारों से ओत-प्रोत

नसीराबाद (रोहित जैन)

रविवार को बाहुबली दिगम्बर जैन पाठशाला के विद्यार्थियों द्वारा श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर में पूजन की गई। इस अवसर पर सभी बच्चों को देव-शास्त्र-गुरु की विधिपूर्वक पूजन करवाई गई तथा दर्शन पाठ का उच्चारण भी कराया गया। यह जैन समाज के लिए हर्ष का विषय है कि बाहुबली दिगम्बर जैन डिजिटल पाठशाला का संचालन नसीराबाद में सफलता पूर्वक चल रहा है, जिससे बच्चों में धार्मिक संस्कारों का विकास हो रहा है। पूजन के पश्चात पाठशाला की विद्यार्थिनी इशिता जैन (बड़जात्या) और मानवी जैन (बड़जात्या) ने अपने जन्मदिन के अवसर पर बच्चों को मिष्ठान व इनाम वितरित किए। वहीं युवराज जैन ने भी अपने जन्मदिन पर ड्रायफ्रूट्स का वितरण किया। इस अवसर पर नवनीत बाकलीवाल, निधि जमोरिया, सोनू सोनी, सीमा बड़जात्या एवं नूपुर बाकलीवाल उपस्थित रहे।

श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी की 350वीं शहीदी वर्षगांठ पर आयोजित 'शहीदी यात्रा' का सिरसा में हुआ भव्य स्वागत

जगह-जगह शहरवासियों ने पवित्र पालकी पर की पुष्पवर्षा

ऐलनाबाद, 16 नवंबर (रमेश भार्गव)

'हिंद की चादर' श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी की 350वीं शहीदी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में निकाली जा रही शहीदी यात्रा का रविवार को सिरसा शहर में विभिन्न स्थानों पर भव्य स्वागत किया गया। इस नगर कीर्तन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और पवित्र पालकी पर जगह-जगह पुष्पवर्षा की।नगर कीर्तन गुरुद्वारा चिल्ला साहिब से आरंभ होकर गुरुद्वारा श्री दशम पातशाही तक पूर्ण श्रद्धा, कीर्तन और उत्साह के साथ पहुँचाया गया। भारी संख्या में संगत ने यात्रा के दौरान गुरु साहिब के प्रति अपनी आस्था प्रकट की। विभिन्न स्थानों पर संगत ने गुरु साहिब की पालकी के समक्ष मत्था टेक कर सुख-समृद्धि की कामना की।गतका पार्टी के युवाओं ने नगर कीर्तन में अपने शौर्य, अनुशासन और कौशल का अद्भुत प्रदर्शन किया। शहर के अनेक स्थानों पर सामाजिक और धार्मिक संगठनों द्वारा जल, लंगर और चाय की सेवा निरंतर उपलब्ध करवाई गई।शहीदी यात्रा सोमवार को मोरीवाला, भावदीन, मोजूखेड़ा, डिंग मोड़ से होते हुए पतली डाबर मार्ग से फतेहाबाद जिले में प्रवेश करेगी। उल्लेखनीय है कि यह यात्रा गत 8 नवंबर को सिरसा के रोड़ी गाँव से प्रारंभ हुई थी, जिसमें हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने भी शिरकत की। यह पावन यात्रा प्रदेश के विभिन्न जिलों से होते हुए कुरुक्षेत्र पहुँचेगी, जहाँ एक भव्य समापन समारोह आयोजित किया जाएगा।रोड़ी से आरंभ होने के बाद यह यात्रा कालांवाली, डबवाली, रानियां, ऐलनाबाद सहित जिले के कई गाँवों से होती हुई सिरसा पहुँची है।सिरसा में इस पवित्र यात्रा का स्वागत करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष यतिंद्र सिंह (एडवोकेट) ने कहा कि "श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी ने मानवता, धर्म और सत्य की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था।"

सराहनीय पहल: अपनी नेक कमाई से 80+45 विद्यार्थियों को बांटे स्वेटर और 45 विद्यार्थियों को वितरित किए जूते

झज्जर. शाबाश इंडिया

जिला मुख्यालय के अंतिम छोर पर स्थित वीरों की देवभूमि कहे जाने वाले गांव धारौली की सामाजिक संस्था मां-मातृभूमि सेवा समिति द्वारा वस्त्र समर्पण सेवा कार्यक्रम के तहत ज़िला झज्जर के लड़ायन गांव स्थित पीएम श्री गवर्नमेंट मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल के 80+45 विद्यार्थियों को निःशुल्क स्वेटर तथा 45 विद्यार्थियों को जूते वितरित किए गए। स्वेटर और जूते पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे।इस सेवा कार्यक्रम में स्कूल स्टाफ ने अपनी नेक कमाई से 45 स्वेटर एवं 45 जोड़ी जूते स्वयं दान किए, जो एक प्रेरणादायक सामाजिक पहल रही।कार्यक्रम में डॉ. जगविंद्र जाखड़ (सेवानिवृत्त वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, हरियाणा सरकार) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने बच्चों को अच्छे संस्कार अपनाने, अनुशासन में रहने तथा मेहनत और लगन से शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। सामाजिक कार्यों एवं शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय सुखबीर जाखड़, चेयरमैन-रिलायंस ग्रुप ऑफ स्कूल्स, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। स्कूल के प्राचार्य अरविंद कुमार दहिया ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम के मुख्य सूत्रधार मास्टर सतीश यादव (भाकली) और श्री दिलवाग जाखड़ रहे, जिन्होंने आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 22 बार रक्तदान कर चुके मां-मातृभूमि सेवा समिति, धारौली के अध्यक्ष युद्धवीर सिंह लांबा ने बताया कि इस कार्यक्रम में समाजसेवी एवं शिक्षाविद् सुखबीर जाखड़, मास्टर हरबीर मल्हान (गिरिधरपुर), समाजसेवी सुधीर कुमार (भाकली), मास्टर सतीश यादव (भाकली), समाजसेवी रणसिंह (भाकली), मास्टर इंद्रजीत सिंह (भूरावास), मास्टर पवन कुमार (धनीरवास), प्रो. सोनू कुमार (सोनू मोटर वाइंडिंग सेंटर), समाजसेवी मंजीत सिंह (कोसली), मास्टर रोहित यादव, मास्टर कुलवेन्द्र सिंह यादव, समाजसेवी एवं रक्तदानी नितेश भौरिया, मास्टर प्रमिंदर सिंह (तुम्बाहेड़ी) सहित दो गुप्त दानदाताओं ने अपनी मेहनत की कमाई से सेवा कार्य में योगदान दिया। स्कूल प्रिंसिपल ने अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए मां-मातृभूमि सेवा समिति की इस सहयोगात्मक पहल की सराहना की। कार्यक्रम में झज्जर हसला प्रधान श्री कुलदीप नेहरा ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।